

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--लण्ड 3--अपलण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

PUBLISHED BY AUTHORITY



नई दिल्ली, बुद्धवार, मई, 3, 1972/बैज्ञाल 13, 1894

No. 136]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 3, 1972 VAISAKHA 13, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Legislative Department)

New Delhi, the 3rd May, 1972

G.S.R. 271(E).—Whereas by section 79 of the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act. 1971 (81 of 1971), the Central Government is empowered, by Order, to make such adaptations and modifications of any law in relation to the Union territory of Arunachal Pradesh, as may be necessary or expedient for the purpose of facilitating the application of such law in relation to that Union territory;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the said section 79, the Central Government hereby makes the following Order, namely:

THE NORTH-EASTERN AREAS (REORGANISATION) (ARUNACHAL PRADESH) ADAPTATION OF LAWS (No. 2) ORDER, 1972

- 1. (1) This Order may be called the North-Eastern Areas (Reorganisation) (Arunacha! Pradesh) Adaptation of Laws (No. 2) Order, 1972.
- (2) It shall be deemed to have come into force on the 21st day of January, 1972.
 - 2. (1) In this Order, "appointed day" means the 21st day of January, 1972.
- (2) The General Clauses Act. 1897, applies for the interpretation of this Order as it applies for the interpretation of a Central Act.
- 3. As from the appointed day, the Regulations mentioned in the Schedule to this Order shall, until altered, repealed or amended by a competent Legislature or other competent authority, have effect subject to the adaptations and modifications directed by the Schedule.
- 4. Whenever an expression mentioned in column 1 of the Table below occurs (otherwise than in a title or preamble or in a citation or description of a Regulation) in any Regulation mentioned in the Schedule to this Order, then, in the

application of that Regulation to the Union territory of Arunachal Pradesh, or, as the case may be, to any part thereof, unless the context otherwise requires, there shall be substituted therefor the expression set opposite to it in column 2 of the said Table, and there shall also be made in any sentence in which that expression occurs, such consequential amendments as the rules of grammar may require.

TABLE

I 2
Governor of Assam
Governor

Administrator

5. The provisions of this Order, which adapt or modify any Regulation so as to alter the manner in which, the authority by which, or the Regulation under or in accordance with which any powers are exercisable, shall not render invalid any notification, order, permission, award, commitment, attachment, rule or regulation, duly made or issued, or anything duly done, before the appointed day; and any such notification order, permission, award, commitment, attachment, rule, regulation or thing may be revoked, varied or undone in like manner, to the like extent and in the like circumstances as if it had been made, issued or done after the commencement of this Order by the competent authority and under and in accordance with the provisions then applicable to such a case.

THE SCHEDULE

THE ASSAM EXCLUDED AREAS (EPIDEMIC DISEASES) REGULATION, 1941 (No. 3 of 1941)

After section 1, insert—

"1A. Definition.—In this Regulation, "Administrator" means the Administrator of the Union territory of Arunachal Pradesh appointed by the President under article 239 of the Constitution.".

THE ASSAM FRONTIER (ADMINISTRATION OF JUSTICE REGULATION, 1945 (No. 1 of 1945)

Section 2.—For '"the Governor" means the Governor of Assam", substitute "Administrator" means the Administrator of the Union territory of Arunachal Pradesh appointed by the President under article 239 of the Constitution."

THE BALIPARA FRONTIER TRACT JHUM LAND REGULATION, 1947

(No. 3 of 1947)

Section 2.—Re-letter clause (a) as clause (aa) and before the clause as so re-lettered, insert— ${}^{-}$

(a) "Administrator" means the Administrator of the Union territory of Arunachal Pradesh appointed by the President under article 239 of the Constitution.

THE TIRAP FRONTIER TRACT JHUM LAND REGULATION, 1947 (No. 4 of 1947)

Section 2.—Re-letter clause (a) as clause (aa), and before the clause as so-re-lettered, insert—

'(a) "Administrator" means the Administrator of the Union territory of Arunachal Pradesh appointed by the President under article 239 of the Constitution;'.

THE SADIYA FRONTIER TRACT JHUM LAND REGULATION, 1947 (No. 5 or 1947)

Section 2.—Re-letter clause (a) as clause (aa), and before the clause as so re-lettered, insert—

(a) "Administrator" means the Administrator of the Union territory of Arunachal Pradesh appointed by the President under article 239 of the Constitution;".

> [No. F.19(4)/72-LI.] K. K. SUNDARAM, Jt. Secy.

विधि ग्रौर न्याय]भंत्रालय (विशामी विशाम)

श्रादेश

नई दिल्ली, 3 मई, 1972

सा० का० नि० 271 (ग्र) यतः पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) श्रधिनियम, 1971 (1971 का 81) की धारा 79 द्वारा केन्द्रीय सरकार को, आदेश द्वारा, श्रध्णाचल प्रदेश संघ राज्य क्षेत्र के संबंध में किसी विधि के ऐसे श्रनुकूली करणों श्रौर उपान्तरणों को करने के लिए, जो उस संघ राज्य क्षेत्र के संबंध में ऐसी विधि को लाग करने में सुकर बनाने के प्रयोजन के लिए श्रावश्यक या समीवीन हो, सणक्त किया गया है;

श्रतः, श्रव उक्त धारा 79 द्वारा प्रदत्त मिनतयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, निम्नलिखित श्रादेश एतदद्वारा करती है, श्रर्थात :--

पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनगैठन) (अरुणाश्वस प्रदेश) विधियों का श्रनुकूलोकरण (संख्या 2) श्रादेश, 1972

- (1) इस म्रादेश का नाम पूर्वोतर क्षेत्र (पुतर्गठन) (म्ररूणाचल प्रदेश) विधियों का मनुकूलीकरण (संख्या 2) श्रादेश, 1972 होगा।
 - (2) यह 1972 की जनवरी के 21वें दिन को प्रवृत हुन्ना ममझा जाएगा।
- 2. (1) इस आदिश में, "नियत दिन" से 1972 की जनवरी का 21वां दिन ध्रिभिप्रेतर है।
 - (2) साधारण खण्ड श्रधिनियम, 1897 जैसा वह किसी केन्द्रीय श्रधिनियम के निर्वचन के लिये लागू होता हो, वैसा ही इस श्रादेश के निर्वचन के लिये लागू होता है।
- 3. नियत दिन से ही इस घादेश की प्रनुसूवी में उल्लिखित विनियम, जब तक किसी सक्षम विधान मंडल या भ्रन्य सक्षम प्राधिकारी द्वारा परिवर्तित , निरसित या संशोधन न किए गए हों, तब तक प्रनुसूवी द्वारा निर्दिश्ट अनुकूलीकरणों और उपान्तरणों के भ्रधीन रहते हुए प्रभावी होंगे।
- 4. जब कभी नीचे की सारणी के स्तंभ 1 में उल्लिखित कोई पद (किसी विनियम के किसी नाम या उद्देशिका में या किसी प्रोव्धरण या वर्णन में से श्रन्यथा) इस ग्रादेश की श्रनुमूत्री में उल्लिखित किसी विनियम में श्राता हो, तब, उस विनियम के, यथास्थिति, श्ररूणाचल प्रदेश संघ राज्यक्षेत्र या उसके किसी भाग को लागू होने में, जब तक कि संदर्भ से श्रन्यथा श्रपेक्षित न हो, उसके लिये उक्त सारणी के स्तंभ 2 में, उसके सामने दिया गया पद प्रतिस्थापित किया जाएगा, श्रोर किसी वाक्य में जिसमें वह पद श्राता हो, ऐसे पारिणामिक संशोधन भी किए जाएंगे, जो ब्याकरण के नियमों द्वारा श्रपेक्षित हों।

भ्रमाणत हा । साराणी 1 2 ग्रसम के राज्यपाल प्रशासक

5. इस म्रादेश के उपबन्ध, जो किसी विनियम को इस प्रकार श्रृत्कृतित या उपांतरित कैरते हैं ताकि वह रीति, जिसमें, वह प्राधिकारी, जिससे, या वह विनियम, जिसके श्राधीन या जिसके धनुमार, किन्हों शक्तियां प्रयोगतव्य हैं, परिवर्तित हो, नियत दिन से पूर्व, सम्यक् रूप से की गई या निकाली गई किसी श्रधिसूचना, श्रादेश, श्रृन्जा, श्रधिनिर्णय, सुपूर्वगी, कुर्की, नियम या विनियम, या सम्यक् रूप से की गई किसी बात को श्रविधिमान्य नहीं बनायेगे; श्रीर ऐसी कोई श्रिवसूचना, श्रादेश, श्रृन्जा, श्रधिनिर्णय, सुपूर्वगी, कुर्की, नियम, विनियम या बात, वैसी ही रीति में, वैसे ही विस्तार तक, श्रीर वैसी ही परिस्थितियों में प्रतिसंदुत, फेरफारित या श्रृक्त की जा सकेगी, मानों वह सक्षम प्राधिकारी हारा श्रीर ऐसे मामले को तब लागू उपबंधों के श्रधीन श्रीर उनके श्रृनुसार इस श्रादेश के प्रारंभ के पश्चात् बनाई गई थी, जारी की गई थी या की गई थी।

ग्रन्म् वी

श्रसम श्रपवाजित क्षेत्र (संकामक रोग) विनियम, 1941

(1941 का सं० 3)

धारा 1 के पण्चात, शंत: स्थापित करें :---

"1 क परि गण--र्स विनियम में, 'प्रणासक' से संविधान के श्रनुक्छेद 239 के श्रवीत राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त ग्ररूणाचल प्रदेश संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासक ग्रभिप्रेत हैं।"

ग्रसम सीमांत (न्याय का प्रणासन) विनियम, 1945

(1945 का सं० 1)

धारा 2—''राज्यपाल'' से ग्रसम का राज्यपाल श्रभिप्रेत हैं' के स्थान पर ''प्रशासक'' से संविधान के ग्रनुच्छेद 239 के ग्रधीन राष्ट्रपति झारा नियुक्त ग्रहणायल प्रदेश संघ राज्यक्षेत्र का प्रशासक ग्रमिप्रेत है ।

बल्लीपारा सीमान्त भूभाग झुम भूमि विनियम, 1947

(1947 का सं० 3)

धारा 2-खण्ड (क) को खण्ड (कक) के एव में पुनराक्षरित करें, और इस प्रकार पुनराक्षरित खण्ड के पूर्व, ग्रंतःस्थापित करें:--

"(क) 'प्रशासक' से संविधान के अनुच्छेद 239 के अधीन राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त अरुणा बन प्रदेश संघ राज्यक्षेत्र का प्रशासक अभिन्नेत ।"

दिराप सीमान्त भूभाग झुम भूमि विनियम, 1947

(1947 का सं० 4)

धारा 2- खण्ड (क) को खण्ड (कक) के रूप में पुनराक्षरित करें श्रौर इस प्रकार पुन-राक्षरित खण्ड के पूर्व श्रंतःस्थापित करें :--

''(क) **'प्रशासक'** से संविधान के श्रनुच्छेद 239 के श्रधीन राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त श्ररूणाचल प्रदेश सैच राज्यक्षेत्र का प्रशासक श्रमिप्रेत हैं ;''

मदिया सीमान्त भूभाग भुम भूमि विनियम, 1947 (1947 का सं० 5)

धारा 2--खण्ड (क) को खण्ड (कक) के रूप में पुनराक्षरित करें और इस प्रकार पुनराक्षरित खण्ड के पूर्व मंत: स्थापित करें :---

"(क) 'प्रशासक' से संविधान के अनुच्छेद 239 के अधीन राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त अरूणाचल प्रदेश संघ राज्यक्षेत्र का प्रशासक अभिष्रेत हैं ; ।

[सं० फा॰ 19(4)/72-वि०1] के० के० सुन्दरम्, संयुक्त सचिव

